संपादकीय

हिंदी फिल्मों में हीरो दलित क्यों नहीं

हिंदी फिल्मों में दलित चरित्रों की मौजूदगी, उनके प्रति निर्देशकों के रवैये और ट्रीटमेंट की पड़ताल करें तो निश्चित ही निराशा होती है। पिछले कुछ सालों से हिंदी फिल्मों ने दलित चरित्रों पर गौर करना शायद छोड़ दिया है। दो साल पहले आई अनुभव सिन्हा की फिल्म 'आर्टिकल 15' में दलित चरित्र हैं, लेकिन वे फिल्म के नायक और मुख्य किरदार नहीं हैं। उनके हित और अधिकारों की बात फिल्म में होती है, लेकिन यह सब कुछ उच्च जाति के नायक के नेतृत्व में होता है। 'आर्टिकल 15' (2019) की ही तरह 'मुल्क' (2018) में भी ताकतवर समूह में संरक्षक का भाव है। दलित चेतना की हिंदी फिल्मों का यह कमजोर पक्ष है। खासकर हाल में आई तमिल फिल्मों के संदर्भ में देखें तो यह कमजोरी उभरकर सामने आ जाती है। हिंदी फिल्मों में नीरज घेवन की 'मसान' में जरूर दलित चेतना मुखर है। हिंदी फिल्मों में दलित ही नहीं शोषित, पीड़ित, गरीब और गंवई चरित्र भी इन दिनों गायब हो गए हैं। गांव दिखते भी हैं तो उनमें गंवईपन नहीं है। गांव का जीवन अपनी कशमकश और स्पंदन के साथ इन फिल्मों में नहीं आ पाता। यों लगता है कि चरित्रों ने किसी पुश्तैनी मकान में कैंपिंग कर ली है। गांव और परिवेश से उनके तार नहीं जुड़ते। नतीजा यह होता है कि हम ग्रामीण क्षेत्रों के परिवेश और ग्रामीण सामाजिक, जातीय बुनावट तक पहुंच ही नहीं पाते। हिंदी फिल्मों का अधिकांश माहौल शहरी और पंजाबी पॉप संस्कृति से इस कदर प्रभावित हो चुका है कि उत्तर भारत के हिंदी समाज के चरित्र भी खुशी और गम के मौके पर पंजाबी गीत गाने लगते हैं। इसी शुक्रवार रिलीज हुई 'सत्यमेव जयते 2' में लखनऊ और बनारस के चरित्र करवा चौथ मनाते हुए पंजाबी धुन पर थिरकते देखे जा सकते हैं। हिंदी फिल्मों के लेखकों और निर्देशकों ने दशकों में एक टेंपलेट तैयार कर लिया है, जिसमें दलित का गरीब, शोषित और पीड़ित होना लाजिमी है। वह बेचारगी में रहता है। अपने अस्तित्व के लिए ही जूझ रहा होता है। हिंदी फिल्मों में आजादी के पहले से दलित और अछूत आते रहे हैं। न्यू थिएटर्स के निर्देशक नितिन बोस की फिल्म 'चंडीदास' (1934) में उच्च जाति के प्रेमी और निम्न जाति की प्रेमिका की प्रेम कथा है। इसे आगा हश्र कश्मीरी ने लिखा था। अशोक कुमार और देविका रानी की फिल्म 'अछूत कन्या' (1936) के बारे में सभी जानते हैं। फ्रांज ओस्टन की इस फिल्म पर गांधी जी के सुधारवादी आंदोलनों का असर है। आरंभिक दौर की हिंदी फिल्मों में दलित चरित्रों के रूप में महिलाएं ही ली गईं। इन फिल्मों में नायक पुरुष और उच्च जाति के होते थे और वे उद्धार की भावना से प्रेरित रहते थे। 'सुजाता' (1959) गहरे प्रभाव के बावजूद इसी सीमा में नजर आती है। 1959 में ही ख्वाजा अहमद अब्बास की 'चार दिल चार राहें' फिल्म आई थी। उसमें मीना कुमारी ने दलित लड़की चावली का किरदार निभाया था। इस चरित्र को निभाने के लिए उन्होंने अपने चेहरे का रंग सांवला किया था। चंद्रशेखर की फिल्म 'चा चा चा' (1964) में भी नायक दलित है। इसके बाद समांतर सिनेमा के दौर में श्याम बेनेगल, गोविंद निहलानी, केतन मेहता, प्रकाश झा आदि फिल्मकारों ने दलित चरित्रों को महत्व दिया। उनकी स्थिति-परिस्थिति का चित्रण करते हुए उनके प्रतिरोध और विद्रोह को भी फिल्म के नेतृत्व में रखा गया। मुख्यधारा के प्रचलित प्रतिमान और चरित्रों से अलग जाकर इन प्रगतिशील फिल्मकारों ने दलित चरित्रों को सही संदर्भ देने की कोशिश की। किंतु दलित चिंतकों का एक समूह इन फिल्मों में आए दलित चरित्रों को कमजोर, निर्भर और निम्न दर्जे का मानता है। उनकी राय में उच्च जाति के निर्देशकों की वेदना और संवेदना में दलित चरित्रों की आंतरिकता नहीं आ पाती। हिंदी फिल्मों की परंपरा से बिल्कुल अलग प्रभाव के साथ इधर की तमिल फिल्में आई हैं। सूर्या अभिनीत टी जे ज्ञानवेल की 'जय भीम' (2021) की विशेष चर्चा है। इस फिल्म में सिंग्गनी और राजकन्नू दलित चरित्रों के प्रतिनिधि के रूप में आए किरदार हैं।

-अजय ब्रह्मात्मज

रामकुमार रामनाथन ने जीता पहला एटीपी चैलेंजर खिताब

मनामा। भारतीय टेनिस खिलाड़ी रामकुमार रामनाथन ने यहां एटीपी80 मनामा टूर्नामेंट में रूस के एवगेनी कार्लोवस्की को हराकर अपना पहला एटीपी चैलेंजर एकल खिताब जीता।

टूर्नामेंट में छठी वरीयता प्राप्त रामनाथन ने कार्लोवस्की को 68 मिनट तक चले मुकाबले में 6-1, 6-4 से हराकर खिताब अपने नाम किया। रामनाथन ने युगल स्पर्धा में अर्जुन काधे के साथ चुनौती दी, लेकिन उन्हें सेमीफाइनल में नूनो बोर्गेस और फ्रांसिस्को कैब्रल की पुर्तगाली जोड़ी से 6-3, 1-6, 10-7 से हार का सामना करना पड़ा।

उन्होंने टूर्नामेंट के पहले दौर में यूक्रेन के व्लादिस्लाव ओरलोव, दूसरे दौर में क्रोएशिया के ड्यूज अजदुकोविक को हराया, जबकि क्वार्टर फाइनल में पुर्तगाल के गोंकालो ओलिवेरा को पछाड़ा और सेमीफाइनल में ग्रेट ब्रिटेन के जे क्लार्क को पराजित किया।

उल्लेखनीय है कि 27 वर्षीय रामनाथन 2009 में पेशेवर टेनिस खिलाड़ी बने थे और तब से उन्होंने छह बार चैलेंजर फाइनल खेला, लेकिन हर बार हार का सामना किया। उन्होंने इस साल जुलाई में कैरी चैलेंजर्स में आखिरी चैलेंजर फाइनल खेला था।

अपनी पहली एटीपी चैलेंजर्स खिताब जीत के साथ रामनाथन ने 80 रैंकिंग अंक अर्जित किए हैं। 186 की एटीपी विश्व रैंकिंग के साथ वह अब सर्वोच्च रैंक वाले भारतीय बन गए हैं। उन्होंने प्रजनेश गुणेश्वरन और सुमित नागल को पीछे छोड़ दिया है जो क्रमशः 215वें और 219वें स्थान पर हैं।

कीमती धातुओं में आई तेजी

मुंबई। वैश्विक बाजार में कीमती धातुओं में नरमी के बावजूद स्थानीय स्तर पर मांग निकलने से आज घरेलू सर्राफा बाजार में सोना 105 रुपये प्रति दस ग्राम और चांदी 115 रुपये प्रति किलोग्राम तेज रही।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना हाजिर 0.04 प्रतिशत उतरकर 1791.06 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। वहीं, अमेरिकी सोना वायदा 0.16 प्रतिशत की बढ़त लेकर 1788.30 डॉलर प्रति औंस हो गया। हालांकि इस दौरान चांदी हाजिर 0.05 प्रतिशत टूटकर 23.12 डॉलर प्रति औंस बोली गई।

देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में सोना 105 रुपये बढ़कर 47689 रुपये प्रति दस ग्राम और सोना मिनी 85 रुपये की बढ़त लेकर 47695 रुपये प्रति दस ग्राम पर रहा। इसी तरह चांदी 115 रुपये मजबूत होकर 62159 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई जबकि चांदी मिनी 55 रुपये गिरकर 63190 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई।

भारत जीत से चूका, न्यूज़ीलैंड की आखिरी जोड़ी ने मैच कराया ड्रा

कानपुर। लेफ्ट आर्म स्पिनर रवींद्र जडेजा (40 रन पर चार विकेट) और ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन (35 पर तीन विकेट) की कातिलाना गेंदबाजी की बदौलत न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की झोली में लगभग आ चुका पहला टेस्ट मैच सोमवार को कम रोशनी और आखिरी कीवी जोड़ी के संघर्ष के चलते हार जीत के फैसले के बिना ड्रा समाप्त हो गया।

ग्रीनपार्क मैदान पर मैच के अंतिम दिन के पहले सत्र में भारतीय गेंदबाज को कोई सफलता नहीं मिली थी और मैच ड्रा की ओर खिसकता दिख रहा था मगर लंच और चायकाल के बीच मेजबान गेंदबाजों ने तीन अहम विकेट लेकर मैच को रोमांचक स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया जबकि चायकाल के बाद अश्विन और जडेजा ने सूझबूझ भरी गेंदबाजी कर मैच को भारत के पक्ष में पूरी तरह मोड़ दिया मगर पदार्पण टेस्ट खेल रहे रचिन रवीन्द्र 91 गेंदो पर 18 रनो की नाबाद पारी और 11वें नम्बर के बल्लेबाज एजाज पटेल (2 नाबाद, 23 गेंद) का विकेट भारतीय गेंदबाज अंत तक उखाड़ नहीं सके और भारतीय टीम दहलीज पर खड़ी जीत से दूर हो गयी।

ओएनजीसी, बीपीसीएल से कुल 4755 करोड़ रुपये के लाभांश की किस्त मिली

नई दिल्ली। सरकार को पेट्रोलियम क्षेत्र के दो सार्वजनिक उपक्रमों ओएनजीसी और भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन से कुल 4,755 करोड़ रुपय के लाभांश की किस्तें प्राप्त हुआ है। वित्त मंत्रालय के तहत आने वाले निवेश एवं सार्वजनिक सम्पत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) ने एक बयान में यह जानकारी दी। बयान के मुताबिक ओएनजीसी ने सरकार को लाभांश की एक किस्त के रूप में 4,180 करोड़ रुपये और बीपीसीएल ने 5,75 करोड़ रुपये का भुगतान किया है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का बड़ा बयान- सरकार जल्द क्रिप्टोकरेंसी पर बिल पेश करेगी

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज राज्य सभा में कहा कि देश में आभासी मुद्रा (क्रिप्टोकरेंसी) से संबंधित विधेयक कैबिनेट की मंजूरी के बाद आएगी लेकिन क्रिप्टो को लेकर विभिन्न माध्यमों पर आ रहे विज्ञापनों पर रोक लगाने का निर्णय अभी नहीं लिया गया है। सीतारमण ने प्रश्नकाल के दौरान सदन में पूरक प्रश्नों के उत्तर में कहा कि यह एक जोखिम भरा है और यह पूरी तरह से नियामक फ्रेमवर्क भी नहीं है। इसके विज्ञापनों पर रोक लगाने का निर्णय भी नहीं लिया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक और सेबी के माध्यम से लोगों में इसके प्रति जागरुकता लाने की कोशिश की गई है। उन्होंने कहा कि आभासी मुद्राओं से अवांछित गतिविधियों को भी बढ़ावा मिल सकता है, इसलिए इस पर करीबी निगरानी की जायेगी। उन्होंने कहा कि सरकार इसके लिए एक विधेयक लाने की तैयारी कर रही है जिसमें पुराने विधेयक के साथ ही नये प्रावधान भी होंगे। वित्त मंत्री ने कहा कि कहा कि नॉन फंगिबल टोकन्स (एनएफटी) के नियम पर भी चर्चा की जायेगी। भारतीय जनता पार्टी के सुशील कुमार मोदी द्वारा इस संबंध में पूछे गये पूरक प्रश्न पर उन्होंने कहा कि एनएफटी के नियम पर भी चर्चा ही जायेगी।

पाकिस्तान ने बंगलादेश को आठ विकेट से पीटा

चटगांव ,30 नवंबर । पाकिस्तान ने बंगलादेश को पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के पांचवें और अंतिम दिन मंगलवार को आठ विकेट से हराकर दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। पाकिस्तान को जीत के लिए 202 रन का लक्ष्य मिला था जिसका पीछा करते हुए पाकिस्तान ने कल अपने सलामी बल्लेबाजों के बीच 109 रन कीओपनिंग साझेदारी के दम पर ठोस शुरुआत की थी। पाकिस्तान ने जीत के लिए शेष 93 रन आज दो विकेट गंवा कर जोड़ लिए। दोनों ओपनर स्कोर को 151 रन तक ले गए। अब्दुल्लाह शफ़ीक़ 129 गेंदों में आठ चौकों और एक छक्के की मदद से 73 रन बनाकर आउट हुए। मेहदी हसन ने शफीक को पगबाधा किया। आबिद अली जब अपने शतक से नौ रन दूर थे कि तभी वह तेजुल इस्लाम की गेंद पर पगबाधा हो गए। आबिद ने 148 गेंदों में 12 चौकों की मदद से 91 रन की जबरदस्त पारी खेली। आबिद का विकेट 171 के स्कोर पर गिरा।

अजहर अली ने नाबाद 24 और कप्तान बाबर आजम ने नाबाद 13 रन बनाकर पाकिस्तान को जीत की मंजिल पर पहुंचा दिया। अजहर ने 66 गेंदों में पांच चौके और बाबर ने 33 गेंदों में तीन चौके लगाए। पाकिस्तान ने दो विकेट पर 203 रन बनाकर जीत अपने नाम की। पाकिस्तान को इस जीत से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के तहत 12 अंक हासिल हुए।

बेहतर नींद के लिए फॉलो करें ये स्लीप हाइजीन टिप्स

नींद हमारे स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि चैन की नींद सोने से हम तरोताजा महसूस करते हैं और सुबह एक नई ऊर्जा का संचार होता है। इससे अन्य कई स्वास्थ्य लाभ भी मिलते हैं। इसके विपरीत अगर किसी कारणवश नींद ठीक से पूरी न हो पाए तो शरीर कई बीमारियों से घिर सकता है, इसलिए आपको अपनी नींद पर अधिक ध्यान देना चाहिए। अच्छी नींद के लिए आप ये हाइजीन टिप्स अपना सकते हैं।

❐ **शोरगुल और लाइट वाली जगह को सोने के लिए न चुनें-** अगर आपके सोने के कमरे में किसी चीज का शोर होगा तो इससे आपकी नींद में खलल पड़ सकता है। हालांकि अगर आप चाहकर भी अपने आसपास का शोर दूर नहीं कर सकते हैं तो आप नॉइस रिडक्शन रेशो इयर प्लग का इस्तेमाल कर सकते हैं।

❐ **अच्छे तकिये और गद्दे चुनें-** अगर आप नहीं चाहते कि आपकी नींद किसी भी चीज से प्रभावित हो तो अपने नींद वाले कमरे का माहौल सोने के लिए आरामदायक बनाएं। इसके लिए आप अपने बिस्तर का गद्दा और तकिये मुलायम चुन सकते हैं क्योंकि अगर आपका गद्दा और तकिया चुभने वाला होगा तो वह आपको पूरी रात परेशान करेगा और सोने भी नहीं देगा।

❐ **स्क्रीन को कमरे से दूर रखें-** अगर आपके सोने वाले कमरे में टीवी, मोबाइल या लैपटॉप जैसे उपकरण होंगे तो आप न जाने कितनी देर तक इन्हीं के इस्तेमाल में लगेंगे और नींद नहीं आएगी। इसलिए अगर आप यह चाहते हैं कि आपको समय से नींद आ जाए तो अपने मोबाइल आदि को बंद करके सो जाएं।

❐ **सोने और उठने का एक ही समय रखें-** शायद आपने इस बात पर ध्यान न दिया हो, लेकिन जब हम कुछ दिन एक ही समय पर उठते रहते हैं तो वह आदत बन जाती है, फिर आप बिना अलार्म के भी उसी समय उठ सकते हैं। ऐसा ही सोते समय भी होता है। अगर आप रोजाना एक ही समय सोएंगे तो आपकी उसी समय नींद आने की आदत पड़ जाएगी।

आज का राशिफल

मेषः आज आपकी राशि वालों के लिए आर्थिक मामलों में शुभ योग बन रहे हैं। शाम तक आप कोई बड़ी डील फाइनल कर सकते हैं।

वृषभः आज का दिन आपके लिए शुभ है और आज आपका ध्यान नई योजनाओं में लगेगा। भाग्य का साथ प्राप्त होगा और किसी मामले में आज आपको मनचाहे परिणाम मिलने से हर्ष होगा।

मिथुनः आपके लिए आज का दिन काफी रचनात्मक है और भाग्य का साथ प्राप्त होगा। किसी क्रिएटिव काम को पूरा करने में आप दिन बिता सकते हैं।

कर्कः आज का दिन काफी सृजनात्मक है, जो भी काम लगन के साथ करेंगे, आज उसमें पूर्ण सफलता मिलेगी। अधूरे काम निपट जाएंगे और महत्वपूर्ण चर्चाएं भी होंगी।

सिंहः आपके लिए आज का दिन काफी व्यस्त रहने वाला होगा। पढ़ाई-लिखाई के लिए थोड़ा समय निकाल लेना ही अच्छा होगा।

कन्याः आज आपसी वार्ता व्यवहार में संयम और सावधानी बरतें। बेहतर होगा कि आसपास के लोगों से टकराव की नौबत न आए इस बात का ध्यान रखें।

तुलाः आज आपकी माली हालत को लें तो आज का दिन काफी मजबूत है। दिनभर लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। परिवार में सुख-शांति और स्थिरता प्राप्त होगी।

धनुः आज का दिन सावधानी और सतर्कता बरतने का है। बिजनस के मामले में थोड़ा-सा जोखिम उठाएंगे, तो बड़ा लाभ होने की आशा है।

मकरः आपके लिए आज का दिन भाग्य वाला है। भागीदारी के मामले में व्यापार काफी फायदा पहुंचाएगा। रोजमर्रा के घरेलू कामों को निपटाने का आज सुनहरा मौका है। ईमानदारी और निर्धारित नियमों का ध्यान रखें।

कुंभः आज का दिन आपके स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतने का है। मौसम परिवर्तन से शीतोष्ण विकार उत्पन्न हो सकते हैं। खान-पान में लापरवाही न बरतें। आज आपको नौकरी के मामले में काफी मशक्त करनी पड़ सकती है।

मीनः आज का दिन आपको लाभ देने वाला हो सकता है। व्यापार में जोखिम उठाने का परिणाम आज आपको सकारात्मक मिलेगा।

बिग बॉस 15 के बाद खतरों के खिलाड़ी के अगले सीजन में दिखेंगे सिम्बा नागपाल

भले ही सिम्बा नागपाल ने बिग बॉस 15 का खिताब नहीं जीता हो, लेकिन इस शो ने उन्हें बहुत शोहरत दी है। कुछ दिन पहले ही इस शो से उनका सफर खत्म हुआ है। उनके प्रशंसकों को निराश होने की जरूरत नहीं है। ऐसा इसलिए क्योंकि बिग बॉस 15 के बाद उनके खाते में एक और बड़ा प्रोजेक्ट आ गया है। ऐसी चर्चा है कि वह स्टंट पर आधारित शो खतरों के खिलाड़ी के अगले सीजन में नजर आएंगे।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि बिग बॉस 15 में दर्शकों का दिल जीतने के बाद नागपाल खतरों के

खिलाड़ी के अगामी सीजन में अपना कमाल दिखाएंगे। कहा जा रहा है कि मेकर्स ने नागपाल से बातचीत शुरू कर दी है। बिग बॉस 15 की तरह इस शो का प्रसारण भी कलर्स चैनल पर होता है। हालांकि, कलर्स चैनल की तरफ से फिलहाल आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

खतरों के खिलाड़ी के आगामी सीजन में नागपाल खतरनाक स्टंट करते हुए नजर आएंगे। बिग बॉस 15 में उनका सफर काफी रोचक रहा। शो से बाहर होने के बाद उन्होंने यहां तक कह दिया था कि उन्हें इस शो के प्रति कभी दिलचस्पी नहीं थी। उन्होंने कहा था कि वह दूसरों की तरह झूठी लड़ाई में फंसना नहीं चाहते। नागपाल शुरुआत से ही गेम में काफी स्लो थे। किसी भी मुद्दे में पड़ने से वह बचते ही रहे थे।

नागपाल एक मॉडल और एक्टर हैं। मॉडलिंग के बाद उन्होंने एक्टिंग जगत में कदम रखा था।

बैजू बावरा पर टिका दीपिका पादुकोण का दिल

निर्देशक संजय लीला भंसाली की फिल्म बैजू बावरा काफी समय से सुर्खियों में है। फिल्म के लिए रणवीर सिंह का नाम तो फाइनल है, लेकिन हीरोइन को लेकर सस्पेंस बरकरार है। अब सुनने में आ रहा है कि दीपिका पादुकोण इस फिल्म का हिस्सा बनने के लिए बेकरार हैं और वह इसे लेकर अपनी दिलचस्पी जाहिर भी कर चुकी हैं। दीपिका इस फिल्म में रणवीर के साथ काम करना चाहती हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, दीपिका फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी करने की भी इच्छुक थीं, लेकिन भंसाली

आलिया को ही चाहते थे। अब दीपिका की निगाह बैजू बावरा पर टिकी है। वह कहती हैं कि मीना कुमारी का किरदार केवल वो ही निभा सकती हैं। इस फिल्म के जरिए दीपिका फिर रणवीर संग काम करना चाहती हैं। हालांकि, एक रिपोर्ट में बताया गया था कि दीपिका के हाथ बैजू बावरा निकल चुकी है, क्योंकि वह एक्टर के बराबर फीस मांग रही थीं।

बची-खुची इडली से बनाएं जायकेदार टिक्की

इडली खाने में तो बहुत अच्छी लगती है लेकिन 5-6 खाने के बाद एकदम पेट भर जाता है ऐसे में कई बार इडली बच जाती है तो उससे आप तैयार कर सकते हैं जायकेदार स्नैक्स।

सामग्री :

इडली- 4-5, उबले मैश किए हुए आलू- 1 कप, कटा हुआ गाजर- 1, कटी हुई शिमला मिर्च- 1, मटर- 1/2 कप, लाल मिर्च पाउडर- 1 टीस्पून, काली मिर्च- 1 टीस्पून, धनिया पाउडर- 1 टीस्पून, करी पत्ता- 4-5, सरसों के दाने- 1 टीस्पून

विधि :

- इडली टिक्का बनाने के लिए सबसे पहले एक बाउल में बची हुई इडली को अच्छे से मैश कर लें।

- अब इसमें उबले आलू, कटी गाजर, शिमला मिर्च और उबले मटर डालकर अच्छे से मिक्स कर लें।

- इसके बाद लाल मिर्च, धनिया, हल्दी, काली मिर्च पाउडर और स्वादानुसार नमक डालकर मिलाएंगे।

- मिक्सचर से छोटे-छोटे बॉल्स बनाएं और हल्का चपटा आकार दें।

- कड़ाही में इतना तेल डालें कि ये टिक्की अच्छी तरह से डूब जाए। क्रिस्पी टिक्की बनाने के लिए पर्याप्त मात्रा में तेल होना और धीमी आंच पर तलना जरूरी है।

शब्द सामर्थ्य- 275

बाएं से दाएं

1. भारत के वर्तमान वित्तमंत्री 6. हित, उपकार 7. असमान, पूर्वोत्तर का एक राज्य 8. किसी वस्तु व्यक्ति आदि के पहचान सूचक संबोधन का शब्द, संज्ञा 10. शवस्थल पर बनाया गया मकान, योग का अंतिम अंग, तपस्या 13. इंकार करना, ना कहना 14. पिता, क्लर्क, सम्मानीय व्यक्ति 15. आय पर लगने वाला टैक्स, इंकमटैक्स 16. प्रतिद्वंद्वी, प्रेमिका का दूसरा प्रेमी 17. परंपरा, रीति, रिवाज 20. रुप से युक्त, चिह्न, लक्षण, नाटक, एक साहित्यिक अलंकार 23. लोग, प्रजा 25. नामी, नामवर, प्रसिद्ध 27. संसार का स्वामी, बादशाह, सम्राट, ईश्वर 28. फैलाना, खिंचाव पैदा करना।

ऊपर से नीचे

1. मारना, प्रहार करना, आघात करना 2. मिथ्याअभिमान, आडंबर 3. विपत्ति, आफत 4. मालदार, धनवान, अमीर 5. ज्ञान प्राप्त करना, अनुमान लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवश, लाचार 11. मानकंद, नापने का पैमाना 12. अपमानित और तिरस्कृत 17. संतान उत्पन्न करने की क्रिया, जन्म देने की क्रिया 18. लंबे कपड़े का गट्ठा, पशुओं को रखने की जगह 19. जलयान, वायुयान, जलपोत 21. आश्रय, सहारा 22. थोड़ा, जरा, तनिक 24. जुर्म, गुनाह 26. बाघ की तरह का धारीदार हिंसक एवं विशाल पशु।

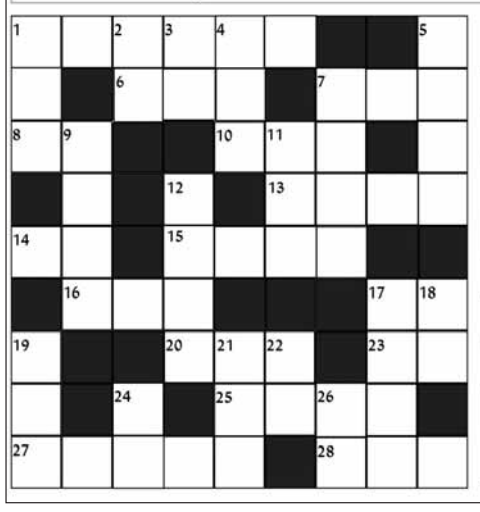

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 274 का हल

भू	कं	प	■	फा	य	दा	■	स
प	■	ल	ला	ट	■	य	ती	म
ति	ल	क	■	क	न	क	■	झ
■	क्ष्म	■	■	■	रे	■	■	■
ग	ण	क	■	सं	श	य	■	सौ
ह	■	या	च	क	■	म	न्न	त
रा	क्ष	स	■	र	क्ष	क	■	न
■	त्रि	■	■	■	मि	■	■	■
शा	य	री	■	का	त	र	■	गो

सू-दोकू- 275

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.274 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2